(ग) जी नहीं। 1976–77 तथा 1977–78 में जल परिवहन के विकास के लिए केन्द्रीय सरकार ने बिहार सरकार को कोई राशि आवंटित नहीं की है।

बिहार में नए उद्योग आरंभ करने की योजना

577. **श्री ज्ञानेश्वर प्रसाद यादव :** क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या केन्द्रीय सरकार को बिहार सरकार से ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे-छोटे उद्योग धन्धे चलाने के लिए कोई नई योजना प्राप्त हुई है ; और

(ख) यदि हां, तो केन्द्रीय सरकार का 1977–78 और 1978–79 के दौरान इन उद्योगों के लिए कितनी धनराशि देने का विचार है ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (कुमारी आभा मयती) : (क) जी नहीं।

(ख) प्रश्न ही नहीं उठता।

एटामिक एनर्जी एजेन्सी वियाना के साथ भारी पानी के आयात के लिए करार

578. **श्री यादवेन्द्र दत्त :** क्या परमाणु ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारत सरकार ने वियाना से भारी पानी प्राप्त करने के लिए एटामिक एनर्जी एजेन्सी, वियाना के साथ कोई करार किया है ; और

(ख) यदि हां, तो इसकी मुख्य बातें क्या हैं ?

प्रधान मंत्री (श्री मोरारजी देसाई) : (क) और (ख). भारी पानी के आयात के लिए भारत सरकार ने अन्तर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा अभिकरण, वियाना के साथ कोई करार नहीं किया है। तथापि, राजस्थान परमाणु बिजलीघर में इस्तेमाल होने वाले भारी पानी की सप्लाई के रूस द्वारा किए जाने के बारे में अन्तर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा अधिकरण के साथ सुरक्षा-व्यवस्था संबंधी एक करार करने के लिए कार्रवाई की जा रही है।

अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा आयोग द्वारा परमाणु बिजलीघर, कोटा को ईंधन की सप्लाई

579. **श्री यादवेन्द्र दत्त :** क्या परमाणु ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारत ने हाल ही में परमाणु बिजलीघर, कोटा, राजस्थान, को ईंधन सप्लाई करने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा आयोग, वियाना के साथ कोई करार किया है और क्या सरकार की एक शर्त कि विदेशी एजेंसियों द्वारा भारत के परमाणु ऊर्जा संयंत्रों का निरीक्षण किया जा सकेगा, स्वीकार कर ली गई है; और

(ख) यदि हां, तो क्या करार की एक प्रति, जिसमें स्वीकार की गई शर्तों का संक्षिप्त विवरण हो, लोक सभा के पटल पर रखी जाएंगी ?

प्रधान मंत्री (श्री मोरारजी देसाई) : (क) राजस्थान परमाणु बिजलीघर के लिए ईंधन की सप्लाई के संबंध में भारत ने अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा अधिकरण के साथ हाल में किसी करार पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं।

(ख) प्रश्न ही नहीं उठता। तथापि, राजस्थान परमाणु बिजलीघर में इस्तेमाल होने वाले भारी पानी की सप्लाई रूस द्वारा की जाने के संबंध में अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा अधिकरण के साथ एक सुरक्षा व्यवस्था संबंधी एक करार करने के लिए कार्रवाई की जा रही है।